नववर्ष सन्देश

2023

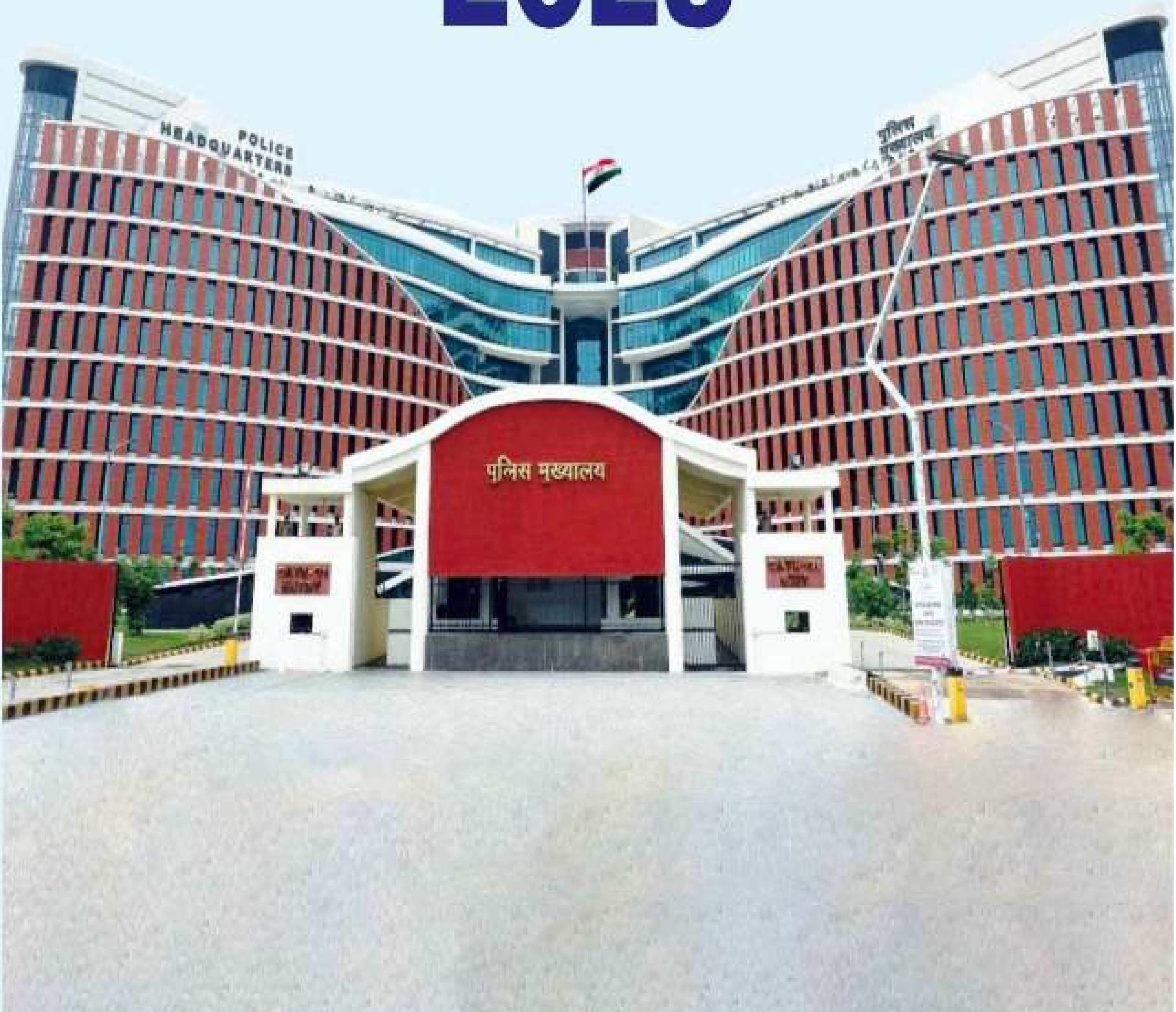

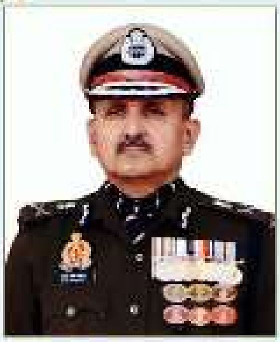

देवेन्द्र सिंह चौहान
आई.पी.एस.

पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश

पुलिस मुख्यालय (सिग्नेचर बिल्डिंग)
गोमती नगर विस्तार, लखनऊ

नववर्ष संदेश–2023

प्रिय साथियों,

नववर्ष के शुभ आगमन पर आप तथा आपके परिवारीजनों को मैं अपनी हार्दिक शुभकामनायें देता हूँ। नूतन वर्ष आप एवं आपके परिजनों के जीवन में सुख–समृद्धि, उल्लास एवं आनन्द का संचार करे तथा आप सभी स्वस्थ एवं आनन्दित रहें।

बीता हुआ वर्ष उत्तर प्रदेश पुलिस के लिये नयी ऊँचाईयों और अनुपम उपलब्धियों का रहा है।

मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा पुलिस की कार्य प्रणाली, आधुनिक विविध चुनौतियों के अनुरूप गुणवत्तापरक हो, साथ ही जनभावनाओं व जन अपेक्षाओं के भी अनुरूप हो, इस दूरदर्शी परिकल्पना के दृष्टिगत 03 जनपदों प्रयागराज, आगरा व गाजियाबाद में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू की गयी। वर्तमान में प्रदेश में कुल 07 पुलिस कमिश्नरी क्रियाशील है।

मा0 मुख्यमंत्री महोदय की प्रेरणा, उनके अमूल्य निर्देशन एवं अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत् माफियाओं व आपराधिक तत्वों के विरूद्ध उत्तर प्रदेश पुलिस ने प्रभावी कार्यवाही की है, जिसके फलस्वरूप अपराध दर में अत्यधिक कमी आयी है। मा0 न्यायालय में प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप अभियुक्तों को सजा दिलवाने के ग्राफ में भी उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी हुयी है।

उत्तर प्रदेश पुलिस को एकरूपता प्रदान करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुये पुलिस के प्रत्येक रैंक के पुलिस कार्मिकों को वर्दी पर धारण करने हेतु प्रतीक चिन्ह (Insignia) प्रदान किया गया।

महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ाते हुये पूर्व से प्रादेशिक आर्म्ड कान्स्टेबुलरी (PAC) की 03 महिला बटालियन लखनऊ, गोरखपुर, बदायूं की स्थापना के अतिरिक्त 03 और महिला बटालियन बलरामपुर, जालौन व मीरजापुर की स्थापना के लिये उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सहमति प्रदान की गयी है, साथ ही 02 अन्य PAC बटालियन शामली व बिजनौर की स्थापना की भी सहमति प्राप्त हुयी है।

प्रदेश के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की अभेद्य सुरक्षा प्रबंध हेतु उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल (UPSSF), आपदाओं में राहत पहुंचाने हेतु राज्य आपदा मोचन बल (SDRF) तथा मादक पदार्थों के अवैध व्यापार की रोकथाम हेतु एण्टी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स (ANTF) का गठन कर जनपद गाजीपुर एवं बाराबंकी में 02 एण्टी नारकोटिक्स थाना तथा मेरठ, लखनऊ व गोरखपुर जोन में 03 क्षेत्रीय शाखाओं की स्थापना की गयी है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन (ACO) की पूर्व से संचालित 11 इकाईयों के अतिरिक्त 08 नयी इकाईयां आजमगढ़, बस्ती, चित्रकूट (बांदा), देवीपाटन गोण्डा, मीरजापुर, सहारनपुर, अलीगढ़ व प्रयागराज में परिक्षेत्रीय स्तर पर सृजित की गयी है।

पुलिस की विभिन्न सेवायें यथा–वीमेन पावर लाइन 1090, जी0आर0पी0, फायर सर्विस, महिला हेल्पलाइन 181, एम्बुलेंस 108 व उ0प्र0 राज्य परिवहन हेल्पलाइन का एकीकरण किया गया है।

साइबर अपराध की रोकथाम हेतु साइबर क्राइम इन्फ्रास्ट्रक्चर को और सुदृढ़ करते हुये परिक्षेत्रीय मुख्यालयों में साइबर क्राइम थानों की स्थापना की गयी है एवं जनपदीय मुख्यालयों पर साइबर क्राइम थानों की स्थापना की कार्यवाही प्रचलित है।

सोशल मीडिया के माध्यम से फर्जी/भ्रामक खबरें फैलाने वालों के विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही की गयी है। जनशिकायतों का समाधान एवं निरन्तर संवाद द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस की सोशल मीडिया ने जनता का विश्वास अर्जित किया है।

पुलिस परिवार के कल्याणार्थ एवं सुख–सुविधा हेतु पुलिस विभाग की आवासीय व्यवस्था के दृष्टिगत प्रदेश के कुल 41 जनपदों में 473 थानों पर पुरूष एवं महिला कर्मियों के लिये अलग–अलग हास्टल/बैरक, थानों/चौकियों पर आवासों का निर्माण, 46 जनपदों की पुलिस लाइन में ट्रांजिट हास्टल तथा 31 पीएसी वाहिनियों में बैरक के निर्माण, पीएसी की 46 कंपनियों को बहाल/पुनर्जीवित करने की स्वीकृति उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदान की गयी है।

कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाये रखने हेतु वर्ष 2022 में शासन द्वारा 50 नये थानों की स्थापना का लक्ष्य प्रस्तावित था, जिसके क्रम में अब तक विभिन्न कमिश्नरेट/जनपदों में 41 नये थानों की स्थापना की जा चुकी है, शेष अन्य थानों की स्थापना की कार्यवाही प्रचलित है, साथ ही विभिन्न कमिश्नरेट/जनपदों में 35 नयी पुलिस चौकियां भी स्थापित की गयी हैं।

मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश पुलिस में खिलाड़ियों को सेवायोजन का सुनहरा अवसर प्रदान करते हुये, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा 534 (335 पुरूष व 199 महिला) आरक्षी नागरिक पुलिस के पद पर कुशल खिलाड़ियों के सेवायोजन की प्रक्रिया की जा रही है। विगत एक वर्ष में पुलिस विभाग में 9,758 उपनिरीक्षक व 18,423 आरक्षी पदों पर भर्तियां की गयी है। महिलाओं की पुलिस विभाग में भागीदारी अधिक से अधिक हो, इसके दृष्टिगत उ0प्र0 सरकार द्वारा भर्तियों में महिलाओं के लिये 20 प्रतिशत आरक्षण का प्राविधान किया गया है।

बीते एक वर्ष में प्रदेश पुलिस के 80 आई0पी0एस0 अधिकारियों, 110 पी0पी0एस0 अधिकारियों को विभिन्न पदों पर पदोन्नतियाँ/मैट्रिक्स पे लेवल तथा 2,872 पुलिस कार्मिकों को उनके अच्छे कार्य के लिये, उनको पदक/सम्मान चिन्ह प्रदान किया गया है।

गैंगेस्टर अधिनियम की धारा 14(1) के अन्तर्गत आपराधिक कृत्य से अर्जित की गयी लगभग 3100 करोड़ रूपये से अधिक की चल/अचल सम्पत्तियों पर शिकंजा कसते हुये सरकारी जमीन अवमुक्त कराने, अवैध कब्जे के ध्वस्तीकरण एवं जब्तीकरण की कार्यवाही की गयी है। पुलिस द्वारा की गयी वैधानिक आत्मरक्षार्थ कार्यवाही में पाँच लाख रू0 के 02, ढाई लाख रू0 के 01, एक लाख रू0 के 11 एवं 50 हजार रू0 के 47 पुरस्कार घोषित अपराधी गिरफ्तार किये गये हैं।

प्रदेश के चिन्हित 50 माफिया व उनके गैंग के सदस्यों/सहयोगियों के विरूद्व अब तक 2509 करोड़ रूपये से अधिक की सम्पत्ति का जब्तीकरण/ध्वस्तीकरण एवं अवैध कब्जे से अवमुक्त की कार्यवाही व चिन्हित माफिया गैंग के 863 सदस्यों/सहयोगियों के विरूद्व 410 अभियोग पंजीकृत कर 405 अभियुक्तों की गिरफ्तारी, 177 के विरूद्व गुण्डा एक्ट, 363 के विरूद्व गैंगेस्टर एक्ट 13 अभियुक्तों के विरूद्व एन0एस0ए0 की कार्यवाही की गयी है।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जनता की सुरक्षा के दृष्टिगत आग से बचाव हेतु प्रदेश में 350 तहसीलों मे से 286 तहसील पर अग्निशमन केन्द्र संचालित है। 07 तहसीलों में अग्निशमन केन्द्रों की स्थापना हेतु शासन से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है, शेष 57 तहसीलों में अग्निशमन केन्द्र की स्थापना हेतु शासन में प्रस्ताव भेजा गया है।

उत्तर प्रदेश पुलिस को उत्कृष्ट कार्यो हेतु राष्ट्रीय स्तर पर e-Prosecution में लगातार दूसरे वर्ष भी प्रथम स्थान आने पर गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा ट्रॉफी प्रदान की गयी। एन0सी0आर0बी0/एम0एच0ए0 द्वारा आयोजित कॉन्फ्रेंस में आई0सी0जे0एस0 परियोजना के अन्तर्गत फॉरेन्सिक क्षेत्र में विशेष योगदान पर उत्तर प्रदेश पुलिस को राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय पुरस्कार की ट्रॉफी प्रदान की गयी।

उत्तर प्रदेश पुलिस कार्मिकों को उनके द्वारा किये गये उत्कृष्ट/सराहनीय कार्यो के दृष्टिगत वर्ष 2022 में वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस पदक–01, विशिष्ट सेवाओं के लिये राष्ट्रपति का पुलिस पदक(पीपीएम)–04, सराहनीय सेवाओं के लिये पदक–113, गृह मंत्रालय भारत सरकार का अति उत्कृष्ट सेवा पदक–1141, गृह मंत्रालय भारत सरकार उत्कृष्ट सेवा पदक–952,

उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिन्ह–91, सराहनीय सेवा सम्मान चिन्ह–399, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट सेवा पुलिस पदक–05 व पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश का प्रशंसा चिन्ह (प्लेटिनम/गोल्ड/सिल्वर)–838 को प्रदान किया गया।

उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा विधान सभा सामान्य निर्वाचन–2022 निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं कुशल पुलिस प्रबन्ध से सकुशल सम्पन्न कराया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस के लिये आगामी नगर निकाय चुनाव एवं आने वाले त्यौहार एक बड़ी चुनौती है। मेरा मानना है कि हम सब मिलकर इन चुनौतियों का सूझ–बूझ से सामना करते हुये प्रदेश की जनता को उच्चकोटि की पुलिस व्यवस्था प्रदान करने में सफल होंगे।

कानून व्यवस्था में हुये आमूलचूल सुधारों ने उत्तर प्रदेश में एक बेहतर वातावरण उपलब्ध कराकर देश एवं विदेश के निवेशकों को प्रदेश में आकर्षित किया है। आगामी आने वाले माह में उत्तर प्रदेश में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का आयोजन होना प्रस्तावित है, जिसमें देश व विदेश के इन्वेस्टर व महानुभावों को सम्मिलित होना है। वृहद स्तर पर होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर समिट को हमें सकुशल सम्पन्न कराना है।

वर्दी धारण कर जनसेवा करने का जो सौभाग्य हमें प्राप्त है, वह एक वरदान से कम नहीं है। यही एक सेवा है जो हमें ऐसे अधिकार प्रदान करती है, जिससे हम सर्वसमाज, पीड़ितों, महिलाओं, जरूरतमंद व कमजोर वर्ग के लोगों को त्वरित न्याय दिला सकते है। अपने जीवन में अनुशासन, नैतिकता, सत्यनिष्ठा, टीम भावना व कर्तव्यपरायणता को अंगीकृत कर पुलिस सेवा पूरे मनोयोग के साथ करें, जिससे कि सुचिता एवं पारदर्शिता बनी रहे। इस बल का मुखिया होने के नाते मैं आप सभी को आश्वस्त करता हूँ कि उत्तर प्रदेश पुलिस आपकी सहायता हेतु सदैव तत्पर है।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि आप में वह शक्ति विद्यमान है, जिसे जागृत कर आप प्रदेश पुलिस का नाम उज्जवल करेंगे।

मैं पुनः आप तथा आपके परिवार को नववर्ष पर अपनी हार्दिक शुभकामनायें देता हूँ।

जय हिन्द!

(देवेन्द्र सिंह चौहान)
पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश

सेवा, दक्षता एवं पराक्रम